२

बगीचे का घोंघा

कहानी का सारांश

यह कहानी एक छोटे से बगीचे में रहने वाले घोंघे की है। वह घोंघा बहुत धीरे-धीरे चलता था और उसे अपने बगीचे का कोना-कोना अच्छी तरह से याद था। लेकिन वह अक्सर सोचता था कि उसके बगीचे के बाहर की दुनिया कैसी होगी। उसकी माँ ने उसे बाहर न जाने की सलाह दी थी, पर उसकी जिज्ञासा बहुत बढ़ गई थी।

एक दिन वह अपना सामान अपने शंख में बाँधकर बगीचे से बाहर निकल पड़ा। बाहर आकर वह चकित रह गया। उसने पहली बार खुला मैदान, सूखा पत्ता, लाल चींटियाँ, गिलहरी, गेंद, कुत्ता और बहुत बड़ा बड़ का पेड़ देखा। इन सब चीज़ों को देखकर वह बहुत आनंदित और आश्चर्यचकित हुआ। उसे बाहर की दुनिया बहुत मज़ेदार और अद्भुत लगी।

आखिर में, घोंघे ने यह तय कर लिया कि अब वह बाहर की इसी बड़ी और सुंदर दुनिया में ही रहेगा।

मुख्य भाव:
यह कहानी बच्चों में जिज्ञासा, साहस और नए अनुभवों को अपनाने की प्रेरणा देती है। साथ ही यह सिखाती है कि दुनिया बहुत बड़ी और सुंदर है, हमें बाहर निकलकर उसे देखने और समझने की कोशिश करनी चाहिए।

नए शब्द

घोंघा	:-	सिपाही जीव, शंखधारी
कोना-कोना	:-	हर हिस्सा, प्रत्येक कोना, किनारा
दुनिया	:-	जग, संसार, धरती
शंख	:-	सिपाही खोल, समुद्री खोल
मैदान	:-	समतल भूमि, समभूमि, खुला क्षेत्र
चकित	:-	हैरान, आश्चर्यचकित, विस्मित
सूखा	:-	बिना पानी, शुष्क, निर्जल
अद्भुत	:-	अनोखा, विचित्र, असाधारण
अनुभव	:-	अनुभव, अनुभूति, ज्ञान
सरसराहट	:-	फुसफुसाहट, पत्तों की आवाज़, मंद ध्वनि
चलायमान	:-	गतिशील, गतिमान, जो चलता हो
पराग	:-	पुष्प-चूर्ण, परागकण, फूल का चूर्ण

www.onepointlearning.com
One Point Learning

• यह कौन-सा जीव है?
उत्तर: यह एक घोंघा है।

• आपने इसे कहाँ देखा है?
उत्तर: मैंने इसे बगीचे में और बारिश के समय ज़मीन पर चलते हुए देखा है।

• आपने इसे किस मौसम में अधिक देखा है?
उत्तर: मैंने इसे वर्षा ऋतु में अधिक देखा है।

• आपको अपने घर और विद्यालय में कौन-कौन से जीव दिखाई देते हैं?
उत्तर: चींटी, मक्खी, तितली, पक्षी, बिल्ली, कुत्ता आदि।

• घोंघा उन जीवों से किस बात में भिन्न है?
उत्तर: घोंघा बहुत धीरे चलता है और उसका घर उसके साथ होता है, जो अन्य जीवों से अलग है।

www.onepointlearning.com

बातचीत के लिए

1. घोंघे को बगीचे के एक किनारे से दूसरे किनारे तक पहुँचने में दो दिन क्यों लगते थे?
उत्तर: क्योंकि वह बहुत धीरे-धीरे चलता था।

2. आप अपने विद्यालय कैसे जाते हैं और आपको कितना समय लगता है?
उत्तर: मैं पैदल (या साइकिल/बस) से विद्यालय जाता हूँ और मुझे लगभग 20 मिनट लगते हैं।

3. घोंघा उद्यान से बाहर क्यों जाना चाहता था?
उत्तर: वह जानना चाहता था कि बगीचे के बाहर की दुनिया कैसी है।

4. आपका कहाँ-कहाँ जाने का मन करता है?
उत्तर: मुझे पहाड़ों, समुद्र तट और चिड़ियाघर जाने का मन करता है।

5. आप घूमने के लिए कहाँ-कहाँ जाते हैं और किसके साथ जाते हैं?
उत्तर: मैं अपने माता-पिता और भाई-बहन के साथ मेला, पार्क, या रिश्तेदारों के यहाँ घूमने जाता हूँ।

One Point Learning

पाठ के भीतर

नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर के सामने सही का चिह्न (✔) लगाइए —

1. घोंघया उद्यान से बाहर क्यों जाना चाहता था?
   (क) उसे उद्यान में अच्छा नहीं लगता था। ☐
   (ख) वह बाहर का जीवन देखना चाहता था। ☑
   (ग) उसे उद्यान सुंदर नहीं लगता था। ☐
   (घ) उसे उद्यान बहुत छोटा लगता था। ☐

2. घोंघे को बड़ा-सा पत्थर पहाड़ जैसा क्यों लगा होगा?
   (क) पत्थर पहाड़ की तरह बहुत ही बड़ा था। ☐
   (ख) घोंघे ने उद्यान में पत्थर जैसी बड़ी वस्तु कभी नहीं देखी थी। ☑
   (ग) घोंघे को पत्थर पर चढ़कर दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। ☐
   (घ) पत्थर की आकृति पहाड़ जैसी थी। ☐

3. घोंघे ने अपने जीवन में पहली बार क्या देखा?
   (क) अपने लंबे-पतले पाँवों से आ-जा रहे चींटे ☑
   (ख) अपना शंख ☐
   (ग) पीपल का पेड़ ☐
   (घ) हरी-हरी घास ☐

4. घोंघे की आँखें आश्चर्य से क्यों खुली रह गईं?
   (क) उसके ऊपर एक बड़ा पत्ता गिरा। ☐
   (ख) वह उद्यान में एक नए कीट से मिला। ☐
   (ग) उसने पहली बार एक तालाब देखा। ☑
   (घ) उसने बड़ का एक पेड़ देखा। ☐

5. छेद से बाहर निकलते ही घोंघे का किन वस्तुओं से सामना हुआ, उनमें से कुछ वस्तुएँ छूट गई हैं। उन्हें पूरा कीजिए —

मैदान	सूखा पत्ता	पत्थर
लाल चींटे	गिलहरी	गेंद
कुत्ता	खजूर का पेड़	बड़ का पेड़

www.onepointlearning.com

One Point Learning

सोचिए और लिखिए

1. उद्यान की दीवार में छेद देखकर घोंघे को कौन-सी बात याद आती थी?
उत्तर: उसे अपनी माँ की बात याद आती थी कि "वहाँ कभी मत जाना, वह दुनिया हमारी दुनिया से अलग है।"

2. छेद के उस पार जाते ही घोंघा चकित क्यों रह गया?
उत्तर: उसने पहली बार इतनी बड़ी जगह देखी थी और चीज़ें बहुत नई और अद्भुत थीं।

3. घोंघे ने ऐसा क्यों कहा कि उद्यान में सब कुछ धीरे-धीरे चलता है?
उत्तर: क्योंकि वहाँ सब कुछ शांत और धीरे होता था, जबकि बाहर की दुनिया तेज और गतिशील थी।

4. आपको अपने घर, विद्यालय तथा आस-पास क्या-क्या अद्भुत लगता है और क्यों?
उत्तर: घोंघे की तरह, मुझे भी अपने स्कूल का पुस्तकालय अद्भुत लगता है क्योंकि वहाँ ढेर सारी किताबें हैं। मेरे घर का बाग बहुत सुंदर लगता है।

5. घोंघे ने उद्यान के भीतर और बाहर क्या-क्या देखा?
उत्तर:

उद्यान के भीतर	उद्यान के बाहर
पेड़-पौधे दीवार शांति और धीमा जीवन घास	मैदान गिलहरी गेंद, कुत्ता, बच्चे बड़ का पेड़, चींटियाँ, पत्थर

भाषा की बात

1. कहानी में आए निम्न शब्दों के आधार पर वाक्य बनाकर लिखिए -
- **आश्चर्य –** मैंने पहली बार बर्फ गिरते हुए देखा, मुझे बहुत आश्चर्य हुआ।
- **अद्भुत –** ताजमहल एक अद्भुत इमारत है।
- **अचानक –** अचानक बिजली चली गई।
- **छोर –** नदी का यह छोर बहुत सुंदर है।

2. जब घोंघे के ऊपर सूखा पत्ता गिरा, तब उसने 'वाह!' न कहकर 'उई!' कहा। आपके मुँह से कब 'वाह' और 'उई' जैसे शब्द निकलते हैं?
- जब हम कोई सुंदर चीज़ देखते हैं – "वाह! यह सूर्यास्त कितना सुंदर है!"
- जब डर लगता है या अचानक कुछ गिरता है – "उई! माँ मुझे लग गई!"
- जब कोई अच्छा कार्य करता हैं – "वाह! उसने कितना अच्छा नृत्य किया!"
- जब गिरते हैं या चोट लगती है – "उई! तुम्हें चोट लग गई!"

One Point Learning

www.onepointlearning.com

3. घोंघे ने अपने शंख में कौन-कौन सा सामान बाँधा होगा?

फल, पत्ता, पत्ते, तिनके, खाना, कुछ नन्ही चीजें।

मिलान कीजिए

नीचे लिखी बातें घोंघे ने कब-कब कहीं? मिलान कीजिए -

उत्तर:

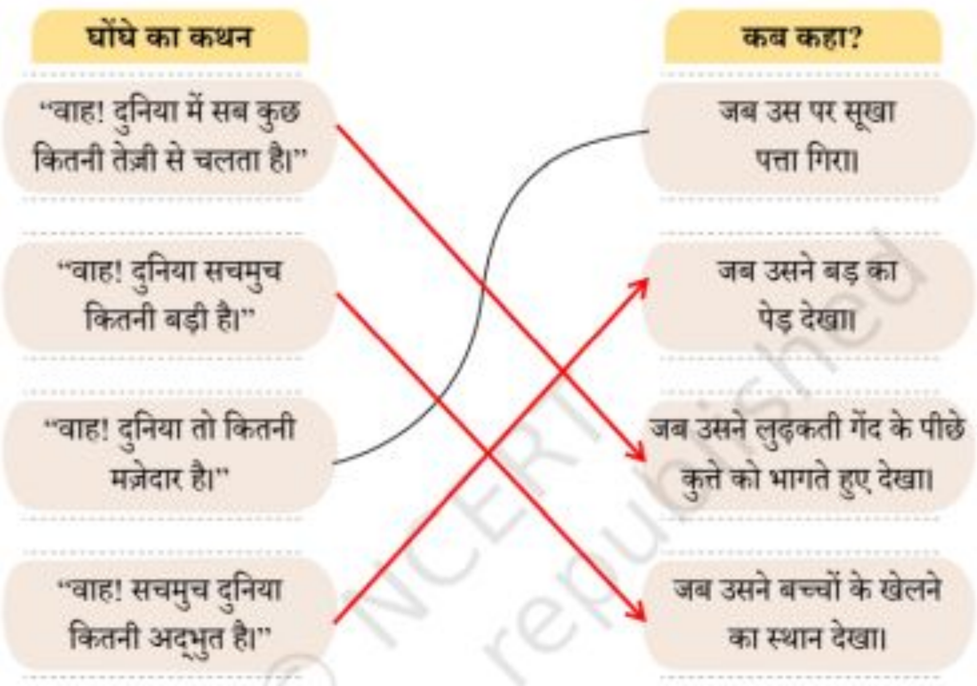

विभिन्न ध्वनियाँ

"उसी समय खड़-खड़ की ध्वनि आई।" यहाँ सूखे पत्तों के गिरने की ध्वनि 'खड़-खड़' जैसी है। इनकी ध्वनियाँ कैसी होंगी -

उत्तर: ध्वनियों की पहचान

- बादलों का गरजना: गड़गड़ाहट
- पानी का बरसना: टप-टप या रिमझिम
- नल से बूंदों का गिरना: टप-टप
- मेंढक का बोलना: टर्र-टर्र
- घंटी का बजना: टन-टन या घंटी की आवाज़
- हवा का बहना: सर-सर या सनसनाहट

www.onepointlearning.com

One Point Learning

अपनी-अपनी विशेषताएँ

घोंघे ने उद्यान से बाहर आकर जो भी देखा, वह किसी-न-किसी रूप में विशेष था। पाठ के आधार पर उनकी विशेषताएँ लिखिए -

उत्तर:

जो देखा	उसकी विशेषता
	बहुत बड़ा, लंबा-चौड़ा
	पहाड़ जैसा
	लंबे-पतले पैर, तेज़ी से चलती हैं
	विशाल और लंबा

© NCERT not to be republished

www.onepointlearning.com

अनुमान और कल्पना

इतने समय तक वहाँ रहने के कारण घोंघा उद्यान का कोना-कोना पहचान गया था।

1. अनुमान लगाकर बताइए कि घोंघा उद्यान में कब से रह रहा होगा।

उत्तर: घोंघा उद्यान में बहुत समय से रह रहा होगा क्योंकि उसने कोना-कोना पहचान लिया था।

2. घोंघे को उद्यान के एक छोर से दूसरे छोर तक जाने में दो दिन लगते थे और उसे वापस लौटने में 48 घंटे लगते थे। ऐसा क्यों?

उत्तर: उसे लौटने में 48 घंटे इसलिए लगे क्योंकि वह बहुत धीरे चलता है।

One Point Learning

3. आप अपने विद्यालय में कितने वर्षों से पढ़ रहे हैं? आपने वहाँ अब तक क्या-क्या देखा है?

उत्तर: मैं अपने विद्यालय में चार वर्षों से पढ़ रहा हूँ। मैंने वहाँ बहुत कुछ देखा है जैसे – अपनी कक्षा, विद्यालय का मैदान, पुस्तकालय, विज्ञान की प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, सभा कक्ष, विद्यालय का बगीचा।

4. आपको अपनी कक्षा से पेयजल के स्थान और विद्यालय के मुख्य द्वार तक जाने में कितना समय लगता है?

उत्तर: मुझे विद्यालय पहुँचने में लगभग 20–30 मिनट लगते हैं।

घोंघे से आपकी भेंट

घोंघे को सबसे पहले बच्चों के खेलने का स्थान दिखाई दिया। कल्पना कीजिए कि बच्चों ने घोंघे को देखा और उससे बातें कीं।

उत्तर:

बच्चे: अरे! आप कौन?

घोंघा: मुझे नहीं पहचानते! मैं घोंघा हूँ, नहीं तो और कौन?

बच्चे: आप यहाँ कैसे आए?

घोंघा: मैं बगीचे से बाहर की दुनिया देखने आया हूँ।

बच्चे: आपको यहाँ कैसा लग रहा है?

घोंघा: बहुत मज़ा आ रहा है! यहाँ सब कुछ अद्भुत है।

बच्चे: क्या आप हमारे साथ खेलेंगे?

घोंघा: क्यों नहीं! लेकिन थोड़ा धीरे-धीरे खेलना पड़ेगा।

www.onepointlearning.com

One Point Learning